# शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव (छ.ग.)

## वाणिज्य विभाग

## वार्षिक गतिविधि रिपोर्ट

***(2023-24)***

**दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन समीक्षा**

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर के अध्यक्षता एवं मार्गदर्शन में वाणिज्य विभाग एवं सोशल साइंस एंड मैनेजमेंट वेलफेयर संगठन भोपाल के संयुक्त प्रयास से दिनांक **25 अगस्त एवं 26 अगस्त 2023** को "सस्टेनेबल एग्रीकल्चर -ऑपच्यरुनिटीज एंड चैलेंजिस "विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया गया।

## <u>प्रथम दिवस</u>

**Govt. Digvijay Autonomous P.G. College, Rajnandgaon (C.G.), India**
**& Social Science and Management Welfare Association**

## Two Days International Conference on
## Multidisciplinary Research in
## Sustainable Agriculture Development : Opportunities & Challenges

**Date :** 25 - 26 August, 2023, **Time :** 12:00pm, **On Google Meet**
**Venue :** Govt. Digvijay Autonomous P.G. College, Rajnandgaon (C.G.), India

**Day – 1st Friday**

## PROGRAM SCHEDULE

**Date :** 25 August 2023, Friday, **Time :** 12:00pm, **On Google Meet**

| Program / Guest / Speakers | | Time |
|---|---|---|
| Introduction & Welcome Speech | **Dr. Anita Saha**<br>Co-Convener, IQAC-Co-ordinator, Govt. Digvijay Auto. P.G. College, Rajnandgaon (C.G.) | 12:00 to 12:05 |
| Speech of President Organizing Committee | **Dr. K. L. Tandekar**<br>Principal, Govt. Digvijay Autonomous P. G. College, Rajnandgaon (C.G.), Advisory Board Member SSMWA | 12:05 to 12:15 |
| Speech of Chief Guest & Speaker | **Dr. Aruna Palta**<br>Hon'ble Vice Chancellor, Hemchand Yadav Vishwavidyalaya, Durg (C.G.) | 12:15 to 12:30 |
| Speech of Chief Guest & Speaker | **Prof. P. K. Mishra**<br>Hon'ble Vice Chancellor, Jawaharlal Nehru Krishi Vishwavidyalaya, Jabalpur (Madhya Pradesh), India, Advisory Board Member SSMWA | 12:30 to 12:45 |
| Speech of Keynote Speaker | **Prof. (Dr.) Vedrana Sarec**<br>Professor, Mentor of Economics, Croatia<br>Advisory Board Member ISSMWA | 12:45 to 01:00 |
| Speech of Keynote Speaker | **Dr. Shailendra Bharal**<br>Professor, School of Studies in Commerce, Vikram University, Ujjain | 01:00 to 01:15 |
| Speech of Guest & Speaker | **Benedict Benson Lisoso**<br>Wildlife Management From The College of African Wildlife Management, Mweka in Tanzania, Member ISSMWA | 01:15 to 01:25 |
| Speech of Keynote Speaker | **Dr. Gour Gopal Banik**<br>Associate Professor of Commerce, College, Gauhati | 01:25 to 01:40 |
| Vote of Thanks | **Dr. S.K. Uke**<br>Convener, H.O.D. Department, Commerce,Govt. Digvijay Auto. P.G. College, Rajnandgaon (C.G.) | 01:40 to 01:45 |
| Paper Presentation Session | **Ms. Ragini Parate**<br>Assistant Professor, Commerce, Govt. Digvijay Auto. P.G. College, Rajnandgaon (C.G.) | 01:45 to 04:00 |

**Join with Google Meet** – Kindly Join & Check 11:30 am & Conference Start 12:00 pm

---

सम्मेलन के प्रथम दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप डॉ (श्रीमती) अरुणा पलटा -माननीय कुलपति हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग ,प्रोफेसर पी.के.मिश्रा-माननीय कुलपति जवाहर नेहरू कृषि

विश्वविद्यालय जबलपुर मध्य प्रदेश एडवाइजरी बोर्ड मेंबर एसएसएमडब्लूए, विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रोफेसर डॉ. वेदराना सारेक- प्रोफेसर मैटर ऑफ़ इकोनॉमिक्स क्रोटिया, एडवाइजरी बोर्ड मेंबर एसएसएमडब्लूए ,बैंडिट बेनसन लिसोसो- वाइल्डलाइफ मैनेजमेंट फ्रॉम द कॉलेज ऑफ़ अफ्रीकन वाइल्डलाइफ मैनेजमेंट तंजानिया मेंबर आईएसएसएमडब्लूए,डॉ शैलेंद्र भारल -प्रोफेसर स्कूल ऑफ स्टडीज इन कॉमर्स विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन, डॉ.गौर गोपाल बनिक-एसोसिएट प्रोफेसर कॉमर्स कॉलेज गुवाहाटी को आमंत्रित किया गया था । कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ राज्य के राजगीत' अरपा पैरी के धार' को गाकर किया गया । तत्पश्चात मुख्य अतिथि श्रीमती पलटा का स्वागत डॉक्टर (श्रीमती) अनीता साहा द्वारा किया गया । श्रीमती अरुणा पलटा ने अपने उद्बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य वाणिज्य विभाग के प्राध्यापकों एवं आयोजन समिति के सदस्यों को बधाई दी एवं शुभकामनाएं दी एवं भविष्य सस्टेनेबल एग्रीकल्चर जैसे विषय कार्यक्रम आयोजित करने हेतु भी प्रोत्साहित किया। तत्पश्चात विषय की महत्ता बताने के लिए वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ एस.के. उके को आमंत्रित किया गया। अपने उद्बोधन में सतत कृषि, पारिस्थितिकी तंत्र की गतिविधियों को पूरा करने मानवीय आवश्यकता को पूरा करने की बात कही । साथ ही श्री उके ने बताया कि इसकी संकल्पना मुख्यतः कार्बनिक कृषि में जैव उर्वरकों के उपयोग फसल चक्र फसल अपशिष्ट भूखंड या कार्बनिक अपशिष्ट पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए इसी प्रकार नए एवं हाइब्रिड बीज से कैसे अधिक से अधिक उत्पादन हो सके इस पर भी शोध किया जा रहे हैं व निरंतर इस क्षेत्र में कार्य हो यही प्रयास रहे यह आशा हैं। इसके बाद डॉ.उके के द्वारा संस्था के प्रमुख एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉक्टर के.एल.टांडेकर को आशीष वचन देने के लिए आमंत्रित किया गया प्राचार्य महोदय द्वारा विषय विशेष की महत्व बताते हुए सभी मुख्य अतिथि विषय विशेषज्ञ एवं व्याख्याता को धन्यवाद दिया साथ ही कृषि के उत्पादकता बढ़ाने हेतु जैविक खेती जैविक खाद के प्रयोग से कृषि के सतत विकास को बढ़ावा देने हेतु प्रोत्साहित किया गया। प्राचार्य महोदय के उद्बोधन के पश्चात प्रोफेसर वेदराना सारेक ने विस्तार से सतत कृषि के विकास पर विचार प्रस्तुत किए गए प्रोफेसर सारेक ने पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से सतत कृषि अवसर व चुनौतियों के बारे में जानकारियां दी गई उन्होंने बताया कि वर्तमान में सतत कृषि का क्या महत्व हैं और किस तरीके से इस लक्ष्य को पूरा किया जा सकता हैं। तत्पश्चात डॉ.शैलेंद्र भारत को व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया गया ।डॉ.भारल ने कृषि के आधुनिक प्रणाली के द्वारा उत्पादन क्षमता को कैसे बढ़ाया जाए व कृषि के विकास की आधुनिक धारणा पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अगली कड़ी में बेंडिक्ट बेनसन लिसोसो आमंत्रित किया गया जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कृषि के सतत विकास हेतु किए जाने वाले कार्यों पर प्रकाश डाला। कार्यशाला को आगे गतिमान करते हुए विषय विशेषज्ञ श्री गौर गोपाल बनिक को आमंत्रित किया गया जिन्होंने आधुनिक कृषि से उत्पादन में होने वाले प्रभाव का वर्णन किया। विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान के पश्चात डॉक्टर साहा द्वारा विषय विशेषज्ञों को धन्यवाद ज्ञापन करते हुए वाणिज्य विभाग की प्राध्यापिका डॉ.(श्रीमती) प्रज्ञा मिश्रा को धन्यवाद ज्ञापित करने हेतु आमंत्रित किया गया। डॉक्टर मिश्रा ने अतिथि मुख्य अतिथि माननीय कुलपति महोदया जी का धन्यवाद किया तदुपरांत उन्होंने सम्मेलन के अध्यक्ष एवं संस्था के प्राचार्य व सभी विषय विशेषज्ञों व व्याख्याताओ को धन्यवाद दिया एवं सम्मेलन के सफल संचालन के लिए विभाग के विभागाध्यक्ष डॉक्टर एस. के. उके व प्रोफेसर जैन प्रोफेसर रागिनी एवं समस्त संचालन समिति को धन्यवाद दिया गया। तकनीकी संचालन हेतु प्रोफेसर रागिनी को आमंत्रित किया गया। प्रोफेसर रागिनी द्वारा संचालन करते हुए शोध पत्र के प्रस्तुतीकरण हेतु प्रतिभागियों को आमंत्रित किया गया।प्रथम दिवस के अवसर पर 35 प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुतीकरण किया गया। इस प्रकार सफलतापूर्वक प्रथम दिवस का संचालन किया गया।

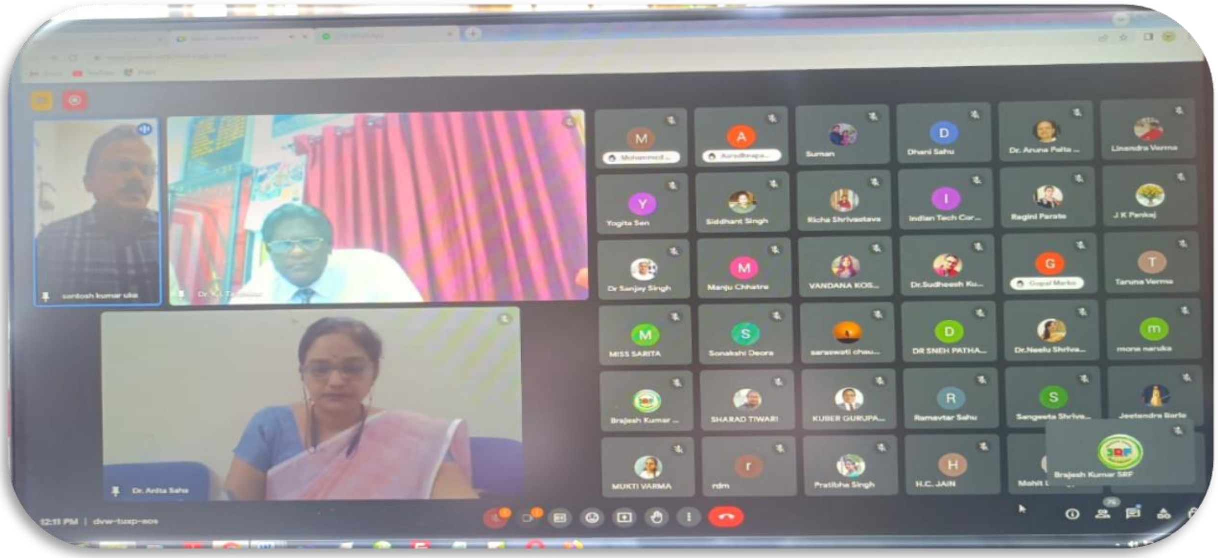

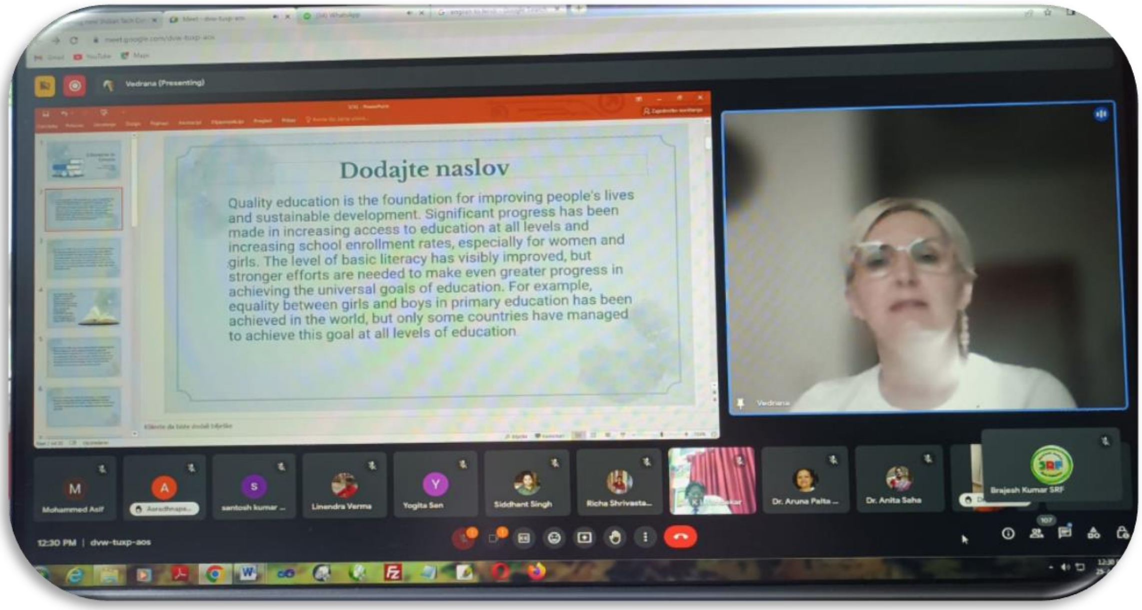
Vedrana (Presenting)
Dodajte naslov
Quality education is the foundation for improving people's lives and sustainable development. Significant progress has been made in increasing access to education at all levels and increasing school enrollment rates, especially for women and girls. The level of basic literacy has visibly improved, but stronger efforts are needed to make even greater progress in achieving the universal goals of education. For example, equality between girls and boys in primary education has been achieved in the world, but only some countries have managed to achieve this goal at all levels of education.

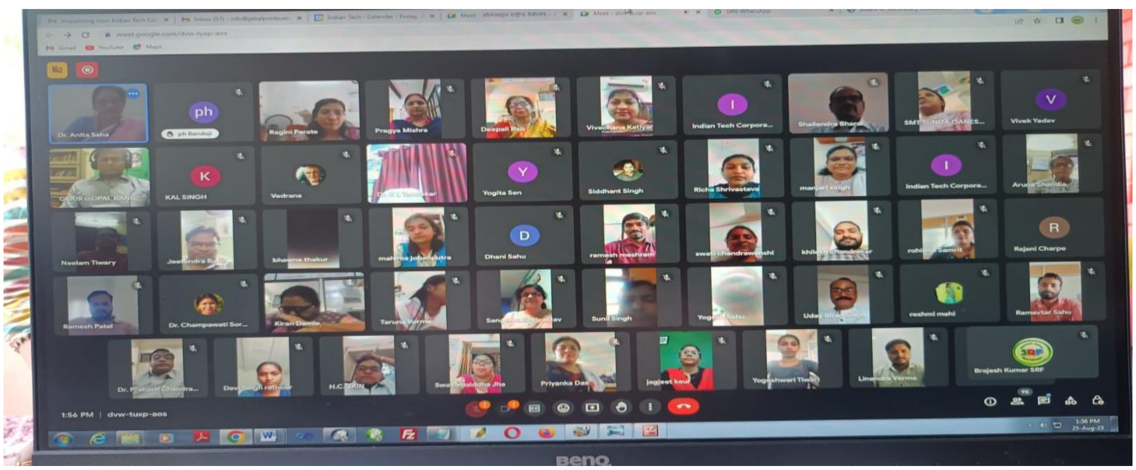

<u>**द्वितीय दिवस**</u>

Govt. Digvijay Autonomous P.G. College, Rajnandgaon (C.G.), India
& Social Science and Management Welfare Association

## Two Days International Conference on
## Multidisciplinary Research in
## Sustainable Agriculture Development : Opportunities & Challenges

Date : 25 - 26 August, 2023, Time : 12:00pm, On Google Meet
Venue : Govt. Digvijay Autonomous P.G. College, Rajnandgaon (C.G.), India

### Day – 2nd Saturday

# PROGRAM SCHEDULE

Date : 26 August 2023, Saturday, Time : 12:00pm, On Google Meet

| Program / Guest / Speakers | | Time |
|---|---|---|
| Introduction & Welcome Speech | **H. C. Jain**<br>Co-Convener, Asistant Professor, Govt. Digvijay Auto. P.G. College, Rajnandgaon (C.G.) | 12:00 to 12:05 |
| Speech of Organizing Secretary | **Ms. Ragini Parate**<br>Assistant Professor, Commerce, Govt. Digvijay Auto. P.G. College, Rajnandgaon (C.G.) | 12:05 to 12:15 |
| Speech of Keynote Speaker | **Prof. Md. Zahir Uddin Arif**<br>Professor & Former Chairman Department of Marketing, Faculty of Business Studies, Jagannath University, Dhaka, Bangladesh, Advisory Board Member SSMWA | 12:15 to 12:35 |
| Speech of Speaker | **Prof. (Dr.) D. Vishwakarma**<br>National Secretary - SSMWA , President - YEA & MPMA<br>EC Member of Indian Economic Association & Incharge of Madhya Pradesh | 12:35 to 12:45 |
| Speech of Guest & Speaker | **Dr. Assem A.H. Mousa**<br>Egypt, Member ISSMWA | 12:45 to 01:00 |
| Speech of Guest & Speaker | **Dr. Kuber Singh Gurupanch**<br>Professor & Dean, Bharti Vishwavidyalaya, Durg (C.G.) | 01:00 to 01:10 |
| Vote of Thanks | **Dr. Pragya Mishra**<br>Govt. Digvijay Autonomous P.G. College, Rajnandgaon (C.G.) | 01:10 to 01:15 |
| Paper Presentation Session | **Ms. Ragini Parate**<br>Assistant Professor, Commerce, Govt. Digvijay Auto. P.G. College, Rajnandgaon (C.G.) | 01:15 to 03:30 |
| Valedictory Session : 03:30 to 04:00 | | |

'oin with Google Meet – Kindly Join & Check 11:30 am & Conference Start 12:00 pm

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के द्वितीय दिवस में  का संचालन वाणिज्य विभाग की प्राध्यापक प्रोफेसर रागिनी पराते के द्वारा किया गया। सम्मेलन के द्वितीय दिवस के अवसर पर  विशेष विषय विशेषज्ञ एवं व्याख्याता के रूप में प्रोफेसर मोहम्मद जाहिरउद्दीन आरिफ - चेयरमैन ऑफ़ डिपार्टमेंट ऑफ़ मार्केटिंग फैकल्टी ऑफ़ बिज़नस स्टडीस जगन्नाथ यूनिवर्सिटी ढाका बांग्लादेश, प्रोफेसर डॉ.डी. विश्वकर्मा-नेशनल सेक्रेट्री- एसएसएमडब्लूए अध्यक्ष एम पी एम ए, ई. सी.मेंबर ऑफ़ इंडियन इकोनामिक एसोसिएशन  मध्य प्रदेश, डॉ. आसीम ए. एच. मौसा -इजिप्ट मेंबर आईएसएसएमडब्लूए, डॉ. कुबेर सिंह गुरूपंच-प्रोफेसर एवं डीन भारती विश्वविद्यालय दुर्ग छत्तीसगढ़ ,हमारे बीच उपस्थित थे।अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के द्वितीय दिवस पर संचालन वाणिज्य विभाग की प्रध्यापिका प्रोफेसर रागिनी पराते के द्वारा किया गया व स्वागत उद्बोधन वाणिज्य विभाग के प्रोफेसर एच. सी. जैन के द्वारा किया गया। प्रोफेसर जैन के द्वारा सभी  विषय विशेषज्ञों व वक्ताओ को अभिवादन  दिया एवं कार्यशाला में अपना  बहुमूल्य समय देने के लिए धन्यवाद दिया। द्वितीय दिवस पर सर्वप्रथम  प्रोफेसर मोहम्मद जहीरूद्दीन। उन्होंने कृषि के आधुनिक प्रणाली   तथा सतत कृषि की संभवनाओ पर प्रकाश डाला।  श्री जहीरूद्दीन  ने उपरोक्त अंतर्राष्ट्रीय  सम्मेलन के लिए धन्यवाद दिया।तत्पश्चात प्रोफेसर डॉ. डी. विश्वकर्मा ( नेशनल सेक्रेट्री  ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया उन्होंने कृषि कार्य में खाद एवं अन्य  उर्वरक के प्रयोग द्वारा उत्पादन में पढ़ने वाली क्षमता का वर्णन किया । सतत कृषि के लाभ व आने वाली समस्या पर  अपने विचार प्रस्तुत किये।अगली कड़ी में डॉ. आसीम ए.एच. मौसा ने पीपीटी के माध्यम से  अपने विचार प्रस्तुत किये ।उन्होंने उपरोक्त कार्यशाला के महत्व को बताते हुए कृषि के सतत विकास पर प्रकाश डाला। सम्मेलन  की अगली कड़ी में  डॉक्टर कुबेर सिंह गुरुपंच उपस्थित थे। उन्होंने कृषि की आधुनिक समस्याओं पर स्टार से चर्चा की ।इंटरनेशनल कांफ्रेंस के लिए द्वितीय दिवस पर मुख्य अतिथि  विषय विशेषज्ञ व वक्ताओ का धन्यवाद प्रोफेसर महिमा जोबनपुत्रा  के द्वारा कार्यशाला में सम्मिलित समस्त  अतिथियों ,वक्ताओं,विशेष विषय विशेषज्ञों, शोधर्थियो,प्रतिभागियों एवं आयोजन समिति को सहयोग हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया।तत्पश्चात कार्यशाला के संचालिका प्रोफेसर रागिनी द्वारा  शोध  पत्र प्रस्तुतीकरण हेतु सरल क्रमांक 61 से 120 तक के प्रतिभागियों को  आमंत्रित किया गया। प्रतिभागियों द्वारा उत्साह पूर्वक एवं ज्ञानवर्धक शोध पत्र प्रस्तुतीकरण किया गया ।दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुतीकरण करने वाले प्रतिभागियों को उत्कृष्ट शोध पत्र  एवं उत्कृष्ट पत्र प्रस्तुतीकरण हेतु प्रथम द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार  दिया गया । उत्कृष्ट से शोध पत्र हेतु प्रथम पुरस्कार रमेश कुमार पटेल- सहायक अध्यापक इतिहास डॉ भीमराव अंबेडकर शासकीय महाविद्यालय ,बलौदा जिला महासमुंद (शीर्षक- जल प्रबंधन ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य  में भारतीय सिंचाई  प्रणालियां),द्वितीय पुरस्कार योगिता सेन -शोधार्थी भूगोल विभाग देव संस्कृति विश्वविद्यालय ग्राम  सांकरा कुम्हारी,दुर्ग छत्तीसगढ़ (शीर्षक- धान की कृषि में जैव विविधता जैसे कृषि उत्पादकता का अध्ययन दुर्ग जिले के विशेष संदर्भ में )एवं तृतीय पुरस्कार श्रीमती जगजीत कौर -शोधार्थी शिक्षा मौर्य शोध केंद्र कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय भिलाई छत्तीसगढ़ (शीर्षक- कृषि और शिक्षा वर्तमान परिपेक्ष में कृषि शिक्षा का विद्यालय शिक्षा के पाठ्यक्रम में समावेश एक प्रमुख आवश्यकता) प्रदान किया गया। व उत्कृष्ट शोध पत्र प्रस्तुतीकरण हेतु प्रथम दिवस पर चांदनी शर्मा -सहायक अध्यापक वाणिज्य विभाग जीके एजुकेशनल इंस्टीट्यूट आफ साइंस आर्ट्स एंड कॉमर्स बिलासपुर छत्तीसगढ़ (शीर्षक डिजिटल एग्रीकल्चर टेक्नोलॉजी ए वे टू स्मार्ट एंड सस्टेनेबल एग्रीकल्चर)द्वितीय पुरस्कार स्वाति चंद्रवंशी -लक्ष्मण प्रसाद वेद शासकीय कन्या महाविद्यालय बेमेतरा छत्तीसगढ़ (शीर्षक- ए रिव्यू डिटरमिनेशन  ऑफ पेस्टिसाइड्स बाय वेरियस एनालिटिकल मैथोड इन एनवायरमेंटल सैंपल्स) एवं द्वितीय दिवस के उत्कृष्ट शोध पत्र प्रस्तुतीकरण प्रथम स्थान डॉक्टर दिव्या राव -सहायक  प्राध्यापक पंडित रवि शंकर विश्वविद्यालय, रायपुर (शीर्षक- एग्रीकल्चर एंड ह्यूमन एंपावरमेंट) द्वितीय स्थान अयान साहा- शोधार्थी डिपार्टमेंट ऑफ़ बॉटनी ( शीर्षक -सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड यूटिलाइजेशन का एबंडेंट कोल माइन पिट लेक वॉटर इन  द कोल माइनिंग रीजन) एवं तृतीय स्थान श्रीमती ज्योति दुबे -सहायक प्राध्यापक देव संस्कृति कॉलेज ऑफ़ एजूकेशन एंड टेक्नोलॉजी, खपरी दुर्ग छत्तीसगढ़ (शीर्षक -रोल एंड कंट्रीब्यूशन ऑफ़ एग्रीकल्चर ऑन इंडियन इकोनामी) को प्रदान

किया गया।द्वितीय दिवस में  की समाप्ति पर धन्यवाद ज्ञापन शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्रोफेसर एच. सी.जैन के द्वारा किया गया। श्री जैन द्वारा सम्मेलन अध्यक्ष , आई क्यु ए सी समन्वयक, समस्त सदस्यों, तकनीकी स्टाफ एवं समस्त प्राध्यापको, प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया गया तथा उपरोक्त  कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु शुभकामनाएं दी गई । कार्यक्रम में प्रस्तुतीकरण देने वाले सभी प्रतिभागियों को इ- सर्टिफिकेट प्रदान किया गया ।इस प्रकार " सतत कृषि अवसर एवं चुनौतियां" विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव एवं सोशल साइंस एंड मैनेजमेंट वेलफेयर एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान से सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

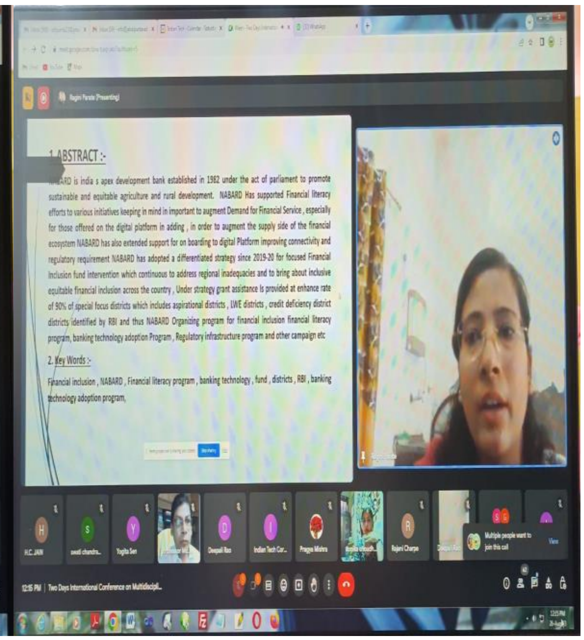

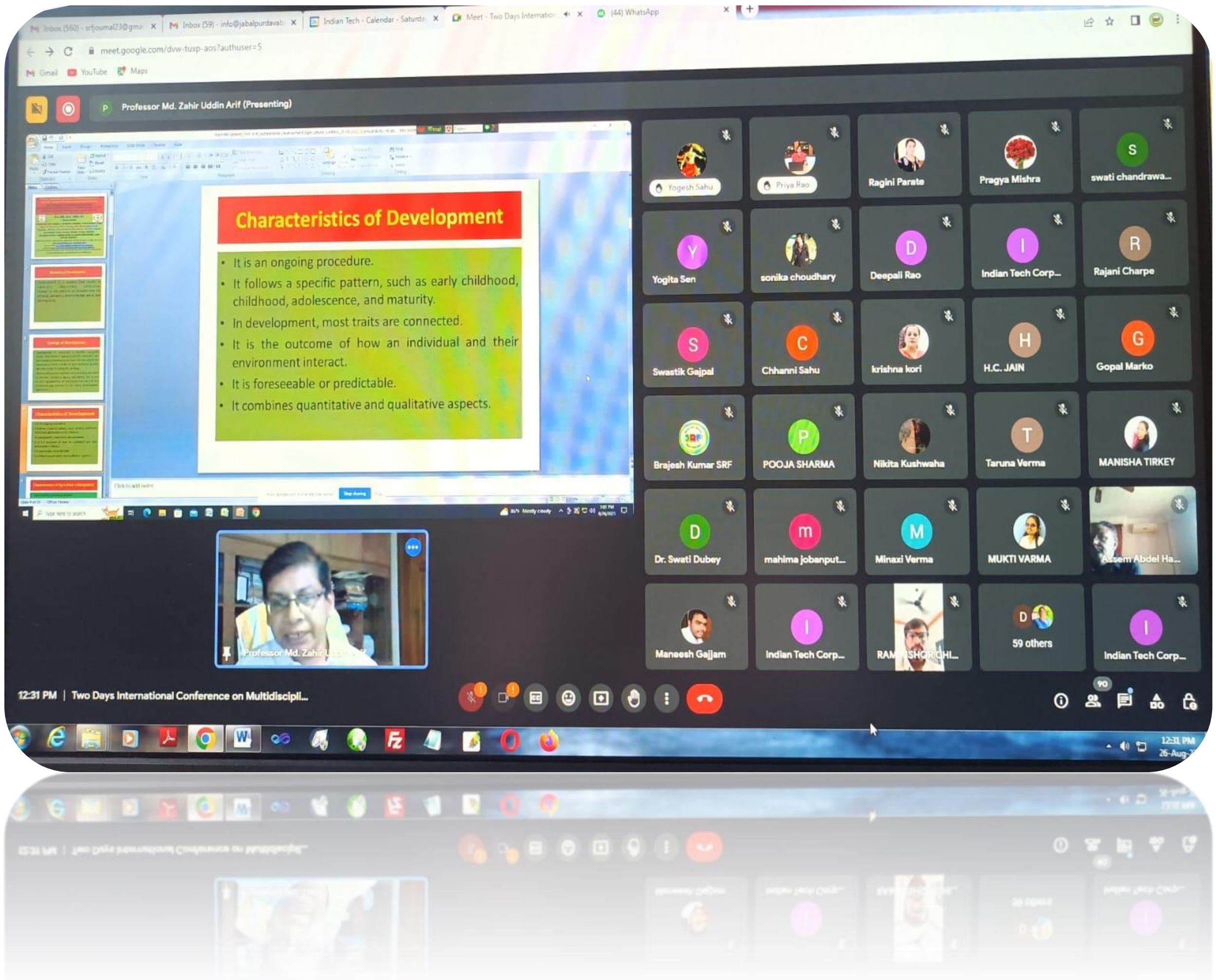


# कलिंगा यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में दिग्विजय के छात्रों ने प्राप्त किया प्रथम व तृतीय स्थान

आज दिनांक 2 सितंबर 2023 को शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर के. एल. टांडेकर एवं विभागाध्यक्ष के विभाग अध्यक्ष डॉ एस.के.उके के मार्गदर्शन व अनुमति पर बी.कॉम.अंतिम वर्ष की छात्र-छात्राओं ने एम. ओ. यू. गतिविधि के तहत कलिंगा यूनिवर्सिटी, रायपुर के वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग के तत्वावधान में भिलाई में आयोजित जी.डी. एवं पी. आई. कार्यक्रम में 41 छात्र-छात्राओं ने विभाग की अतिथि व्याख्याता महिमा जोबनपुत्रा के नेतृत्व में भाग लिया।

में उन्हें भविष्य में उच्च शिक्षा में प्रवेश  व कार्यस्थलों पर होने वाले समूह पर चर्चा व व्यक्तिगत साक्षात्कार (जी.डी.पी.आई.) के संबंध में सविस्तार जानकारी दी गई व खेल के माध्यम से उनकी सहभागिता सुनिश्चित की गई । कार्यक्रम में कलिंगा यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डॉ जैस्मिन जोशी, डीन-स्टूडेंट वेलफेयर व श्रीमती  श्रिंकिं के.पांडे द्वारा छात्र-छात्राओं को समूह परिचर्चा ,टाइम मैनेजमेंट ,पर्सनल इंटरव्यू जैसे विषयों पर व्याख्यान दिया गया जो छात्रों के लिए बहुत आवश्यक है। टीम वर्क व जी.डी.पी.आई. हेतु अलग-अलग खेलों के माध्यम से छात्रों को जोड़ा गया जिसमें टीमवर्क चैलेंज में बीकॉम अंतिम वर्ष के छात्र केवल वर्मा एवं टीम ने प्रथम स्थान कोमल साहू एवं  टीम ने तृतीय स्थान अर्जित किया ।

कार्यक्रम में छात्रों के व्यक्तिगत विकास जैसे विषयों पर चर्चा की गई कार्यक्रम के कार्यक्रम में छात्रों ने उत्साह से हिस्सा लिया। जिसके लिए छात्र-छात्राओं को सहभागिता का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। छात्रों की इस उपलब्धि पर

विभाग के प्राध्यपक श्री एच. सी.जैन, रागिनी पराते,श्रीमती स्वायंसिद्धां झा, श्रीमती प्रज्ञा मिश्रा, तरुणा वर्मा, पूजा कुमारी, प्रतिभा सिंह ने बधाई दी।

# पांच दिवसीय NET /SET कार्यशाला का आयोजन

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव के प्राचार्य डॉ K.L.टांडेकर के संरक्षण एवं निर्देशन, विभागाध्यक्ष डा S K उके के मार्गदर्शन एवं विभाग के समस्त प्राध्यापकों के सहयोग से 5 दिवसीय ( दिनांक 20-09-2023 से 25-09-2023 ) नेट सेट कार्यशाला का आयोजन न्यू हॉल में M.com 1 st sem , M.Com 3sem एवं B.com अंतिम वर्ष के छात्र- छात्राओं के लिए किया गया।
कार्यशाला के प्रथम दिवस पर कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती एवं छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर माल्यार्पण करके किया गया । तत्पश्चात संस्था प्रमुख का स्वागत विभागाध्यक्ष डॉ उके द्वारा, विभागाध्यक्ष का स्वागत आयुष साहू, वरिष्ठ पाध्यापिका श्रीमती स्वयं सिद्धा झां का स्वागत खुशी श्रीवास्तव एवं मुख्य वक्ता वैष्णवी देवांगन का स्वागत सोनल जैन द्वारा किया गया ।कार्यक्रम का संचालन प्रो रागनी पराते द्वारा किया गया।
NET /SET कार्यशाला के आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए विभागाध्यक्ष ने बताया कि विद्यार्थियों को अध्ययन- अध्यापन के साथ-साथ कैरियर को सुरक्षित करने के लिए ऐसे परीक्षाओं की तैयारी अपने विषय के पढ़ाई के साथ साथ करनी चाहिए।
इसके पश्चात प्राचार्य मोहदय ने अपने उद्बोधन ने सर्वप्रथम विभाग के सभी प्राध्यापकों को इस सफल आयोजन के लिए बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं दी, साथ ही छात्र- छात्राओं को शुभाशीष एवं बधाई देते हुए कहा कि अपने विषय की पढ़ाई के साथ साथ भविष्य को सुरक्षित करने के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लेना चाहिए। किसी भी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी आसान नहीं होती इसलिए अभी से एक निशित समय में इन परीक्षाओं की तैयारी के लिए समय दें।
तत्पश्चात मुख्य वक्ता वैष्णवी देवांगन के संक्षिप्त परिचय में बताया कि वह इस महाविद्यालय की पूर्व छात्रा रही हैं जो वर्तमान में शाजकीय विज्ञान महाविद्यालय में अतिथि व्याख्याता से रूप में कार्य कर रही है जिन्होंने नेट की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है।
इसके पश्चात उन्हें अपने विषय परीक्षा की तैयारी कैसे करें?, विषय पर अपने विचार एवं अनुभव साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया।

उन्होंने अपने वक्तव्य में बताया कि नेट की परीक्षा में कितने पेपर होते हैं ,कितने प्रश्न होते हैं, कितने अंक के होते हैं। फिर प्रथम प्रश्न पत्र जो सभी विषयों के लिए अनिवार्य होता है जिसमें10 इकाइयों के विषयों को बहुत ही विस्तृत रूप से जानकारी दी, साथ ही दूसरे प्रश्न पत्र जो कि अपने विषय से संबंधित होता है कि 10 इकाइयों के विषय में बहुत ही सारगर्भित जानकारी प्रदान की जिससे छात्र-छात्राएं अपने पढ़ाई के साथ साथ इन 10 इकाइयों के विषयों के टॉपिक्स को गहन अध्ययन एवं नोट्स की संपूर्ण तैयारी पूर्व में हीं करके परीक्षा की तैयारी कर सकते हैं। जो टॉपिक सरल हो उन्हें पहले ही पहले पढ़ें एवं जिन टॉपिक में समस्याएं उत्पन्न होती है उन्हें शिक्षक एवं

google के सहायता से तैयारी कर सकते हैं । अंत में उन्होंने बताया कि वह परीक्षा की तैयारी में समय प्रबंधन एवं दृढ़ संकल्प की आवश्यकता होती है।
कार्यशाला के अंत में मुख्य वक्ता वैष्णवी देवांगन को धन्यवाद एवं आभार व्यक्त करते हुए बताया कि नेट परीक्षा की तैयारी के लिए विषयों पर सारगर्भित व्याख्यान एवं महत्त्वपूर्ण सुझाव दिए। इन सुझावों को अपना कर छात्र-छात्राएं परीक्षा में अवश्य ही सफल होंगे पाएंगे।
चतुर्थ दिवस
कार्यशाला के द्वितीय दिवस पर कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती एवं छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित करके किया गया । तत्पश्चात विभागाध्यक्ष का स्वागत प्रतीक साहू, वरिष्ठ प्राध्यापिका श्रीमती स्वयं सिद्धा झां का स्वागत रेणु एवं मुख्य वक्ता प्रोफेसर रागिनी पराते का स्वागत मनोहर साहू द्वारा किया गया । कार्यक्रम का संचालन प्रो तरूणा वर्मा द्वारा किया गया।
तत्पश्चात मुख्य वक्ता प्रो रागिनी पराते के संक्षिप्त परिचय में बताया कि वह इस महाविद्यालय की पूर्व छात्रा रही हैं जो वर्तमान में शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव में सहायक प्राध्यापक के रूप में कार्य कर रही है जिन्होंने नेट /से ट की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है।
इसके पश्चात उन्हें अपने विषय शोध प्रविधि एवं लेखांकन विषय पर अपने विचार एवं अनुभव साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया।
उन्होंने अपने वक्तव्य में दूसरे अनिवार्य प्रश्न पत्र के शोध प्रविधि विषय में -अर्थ ,प्रकार, विशेषताएं, चरण, शोध प्रबंध एवं आलेख लेखन, शोध में आई सी टी का अनुप्रयोग, शोध नैतिकता। दूसरे विषय लेखांकन- मूलभूत सिद्धांत, संकल्पना, अभिकल्पना, साझेदारी लेखें , कंपनी का लेखांकन - सूत्रधारी , लागत एवं प्रबंध लेखें, वित्तीय विवरण लेखांकन, मानव संसाधन लेखांकन एवं भारतीय लेखांकन टॉपिक के साथ-साथ सारगर्भित व्याख्यान दिया।
कार्यशाला के अंत में मुख्य वक्ता प्रो रागिनी पराते को धन्यवाद एवं आभार व्यक्त करते हुए बताया कि नेट परीक्षा की तैयारी के लिए विषयों पर सारगर्भित व्याख्यान एवं महत्त्वपूर्ण सुझाव दिए। इन सुझावों को अपना कर छात्र-छात्राएं परीक्षा में अवश्य ही सफल होंगे पाएंगे।
कार्यशाला के तृतीय दिवस पर कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती एवं छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित करके किया गया । तत्पश्चात विभागाध्यक्ष का स्वागत आयुष साहू, वरिष्ठ प्राध्यापक एच सी जैन का स्वागत प्रतीक साहू, वरिष्ठ प्राध्यापिका श्रीमती स्वयं सिद्धा झां का स्वागत मनोहर साहू, प्रो रागिनी पराते का स्वागत खुशी श्रीवास्तव एवं मुख्य वक्ता प्रो तरूणा वर्मा का स्वागत पूनम द्वारा किया गया । कार्यक्रम का संचालन प्रो सुश्री प्रतिभा सिंह द्वारा किया गया।
तत्पश्चात मुख्य वक्ता प्रो तरूणा वर्मा के संक्षिप्त परिचय में बताया कि वह इस महाविद्यालय में अतिथि व्याख्याता के रूप में कार्य कर रही है जिन्होंने नेट की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है।
इसके पश्चात उन्हें अपने विषय व्यवसायिक अर्थशास्त्र और व्यवसायिक पर्यावरण विषय पर अपने विचार एवं अनुभव साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया।
उन्होंने अपने वक्तव्य में दूसरे अनिवार्य प्रश्न पत्र के व्यवसायिक पर्यावरण विषय में - आंतरिक एवं बाहर पर्यावरण, SWOT विश्लेषण, PESTEL विश्लेषण, QUEST, TOWS, औद्योगिक नीति, पंचवर्षीय योजना,। दूसरे विषय व्यवसायिक अर्थशास्त्र- बाजार, मांग, लागत विश्लेषण,PPC टॉपिक के साथ-साथ सारगर्भित व्याख्यान दिया।

कार्यशाला के अंत में मुख्य वक्ता प्रो तरूणा वर्मा को धन्यवाद एवं आभार व्यक्त करते हुए बताया कि नेट परीक्षा की तैयारी में इन विषयों पर सारगर्भित व्याख्यान एवं महत्त्वपूर्ण सुझाव दिए। इन सुझावों को अपना कर छात्र-छात्राएं परीक्षा में अवश्य ही सफल होंगे पाएंगे।
चतुर्थ दिवस पर कार्यक्रम का संचालन विभाग की प्रध्यापिका रागिनी पराते ने किया। चतुर्थ दिवस पर वक्ता वाणिज्य विभाग की प्रध्यापिका महिमा जोबनपुत्रा थी। जिन्होंने छात्र- छात्राओ को परीक्षा का प्रारूप, तैयारी के समय ध्यान रखने योग्य बातें, व पेपर द्वितीय (वाणिज्य) की इकाई 5 व 10 के संबंध में जानकारी दी। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए संचालिका सुश्री रागिनी द्वारा सर्वप्रथम विभाग के विभागाध्यक्ष डॉक्टर एस.के. उके के स्वागत हेतु आयुष साहू का आमंत्रित किया गया। व श्री एच. सी.जैन के स्वागत हेतु प्रतीक साहू को आमंत्रित किया गया। श्रीमती स्वयंसिद्धा झा का स्वागत प्रियांशिका त्रिपाठी द्वारा महिमा जोबनपुत्रा का स्वागत सोनल जैन द्वारा कराया गया। तत्पश्चात वक्ता महिमा जोबनपुत्रा को वक्तव्य हेतु आमंत्रित किया गया। सुश्री महिमा ने छात्रों को यूजीसी नेट का अर्थ,पेपर का प्रारूप, पेपर की संख्या, समय, आयु सीमा,ऑफिशल वेबसाइट ,पेपर हेतु तैयारी करते समय ध्यान में रखे जाने वाली बातों के बारे में बताया। तत्पश्चात उन्होंने पेपर द्वितीय (वाणिज्य) की इकाई क्रमांक 5 व्यावसायिक सांख्यिकी एवं शोध विधि के पाठ्यक्रम के संबंध में विस्तार से जानकारी दी व परीक्षा में पूछे जाने वाले मुख्य शीर्षकों के बारे में बताया तत्पश्चात इकाई क्रमांक 10 आयकर एवं निगम कर योजना के संबंध में चर्चा की जिसमें आयकर की धाराओं, निवास स्थान, सीमांत राहत,कटौतियां, कर वंचन,जैसे शीर्षकों पर चर्चा की गई। अगली घड़ी में छात्रों से प्रश्न आमंत्रित किए गए ताकि वे अपनी समस्याओं का हाल प्राप्त कर सके चतुर्थी दिवस के अंत में छात्रों को प्रतिपुष्टि हेतु आमंत्रित किया गया ताकि वे अपने अनुभव के बारे में जानकारी दे सके व कार्यक्रम के संबंध में सुझाव दे सके। धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती स्वयंसिद्धा झा के द्वारा किया गया।

**पंचम दिवस**

पंचम दिवस पर कार्यक्रम का संचालन विभाग की प्रध्यापिका सुश्री रागनी पराते द्वारा किया गया। पंचम दिवस पर मुख्य वक्ता के रूप में विभाग की प्रध्यापिका श्रीमती पूजा कुमारी को आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत के माध्यम से हुई संस्था के प्राचार्य श्री के. एल. टांडेकर का स्वागत से एसके ओके के द्वारा किया गया वही

विभाग अध्यक्ष डॉ श्री एस. के. उके का स्वागत तुलेश्वर् द्वारा किया गया। श्री एच. सी. जैन का स्वागत प्रतीक साहू द्वारा किया गया । श्रीमती स्वयं सिद्धा झा का स्वागत हेमा साहू द्वारा किया गया श्रीमती पूजा कुमारी का स्वागत मनोहर द्वारा किया गया। तत्पश्चाप पूजा कुमारी को वक्तव्य है तो आमंत्रित किया गया उन्होंने छात्रों को पीपीटी के माध्यम से ऑफिशल वेबसाइट को कैसे ओपन किया जाए,फॉर्म भरते समय ध्यान में रखने वाली बातें, ऑफिशल वेबसाइट पर उपलब्ध मॉक टेस्ट को कैसे दिया जाए व गत वर्षो के प्रश्नों को उदाहरण के माध्यम से बताया। तत्पश्चात छात्रों से प्रश्न आमंत्रित किए गए पांच दिवसीय कार्यक्रम में संस्था के प्राचार्य डॉक्टर के. एल. टांडेकर छात्रों को आशीर्वचन देने हेतु किया गया श्री दांडेकर ने छात्रों को नेट का महत्व बताते हुए इस परीक्षा को देने व प्राध्यापक बनने के हेतु प्रेरणा दी साथ ही उन्होंने नेट/सेट के अलावा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के संबंध में बताया। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु कार्यक्रम आयोजित करने के लिए विभाग को धन्यवाद ज्ञापन किया साथ ही उन्होंने अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु विषय विशेषज्ञ आमंत्रित कर छात्रों को जानकारी प्रदान करने की बात कही। तत्पश्चात विभागाध्यक्ष श्री एस. के. उके ने भी छात्रों को पुस्तकालय में उपलब्ध नेट /सेट की पुस्तकों के बारे में बताया। कार्यक्रम का समापन श्री एच. सी.जैन ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्वयंसिद्धा झा, डॉ प्रज्ञा मिश्रा, तरुण वर्मा, महिमा जोबनपुत्रा,पूजा कुमारी व प्रतिभा सिंह की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

## स्वावलंबी भारत अभियान पर वाणिज्य विभाग द्वारा कार्यशाला का आयोजन- प्रतिवेदन

आज दिनांक 22/9/2023 शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर के. एल. टांडेकर के मार्गदर्शन में वाणिज्य विभाग द्वारा स्वावलंबी भारत अभियान के तहत उद्यमिता प्रोत्साहन सम्मेलन आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉक्टर एस. के. उके द्वारा किया गया। व मुख्य अतिथि के रूप में श्री जगदीश पटेल प्रदेश -उपाध्यक्ष छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ़ कॉमर्स ,श्रीमती सुमन मुथा -स्वावलंबी भारत अभियान में प्रांत महिला सह समन्वयक , जी. आर. जगत -स्वावलंबी भारत अभियान सी.बी.एम.डी. सहायक प्रबंधक ,श्री राजकुमार शर्मा -अधिवक्ता स्वावलंबी भारत अभियान के जिला समन्वय, श्री भगवान झा- अधिवक्ता एवं सचिव स्वावलंबी भारत अभियान राजनांदगांव, डॉ

साधना तिवारी - चिकित्सक होम्योपैथी ,जयेश पांचाल- कार्यकर्ता स्वालंबी भारत अभियान ,श्री राजेश ठाकुर एवं आभा श्रीवास्तव आमंत्रित थे। कार्यक्रम का संचालन विभाग की प्राध्यापिका रागिनी पराते द्वारा किया गया । कार्यक्रम के प्रारंभ में श्रीमती सुमन मुथा कार्यक्रम के रूप रेखा बताते हुए छात्रों को उद्यमिता अभियान से अवगत कराया। तत्पश्चात श्री जगदीश पटेल ने बताया कि आज के युवा में नौकरी की मानसिकता नवीन नहीं है अंग्रेजों के जमाने से हैं, परंतु भारत का युवा आज भारत की सबसे बड़ी ताकत हैं व विश्व में सर्वाधिक युवा भारत में है जिनकी सहायता से भारत नवीन आयाम को छू सकता हैं। इन्हीं की बदौलत आज भारत विश्व की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था हैं और निरंतर उन्नति की ओर तत्पर हैं। युवाओं को नौकरी की अपेक्षा ना करते हुए स्वालंबी बनने की ओर प्रयास करना चाहिए ।अगली कड़ी में श्री राकेश ठाकुर द्वारा छोटी सी कहानी के माध्यम से छात्रों को रोजगार का महत्व बताया गया। तत्पश्चात श्रीमती सुमन मुथा द्वारा स्वालंबी भारत अभियान की वेबसाइट www.sba.co.in पंजीयन कर इस अभियान प्रदान किए जाने वाले सुविधाओं से जुड़ने के बारे में बताया गया ।कार्यक्रम की अंतिम कड़ी में विभाग के प्राध्यापक श्री एच. सी.जैन के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्रीमती स्वयं सिद्ध झा करुणा वर्मा , डॉ. प्रज्ञा मिश्रा, महिमा जोबनपुत्रा, प्रतिभा सिंह एवं पूजा कुमारी की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

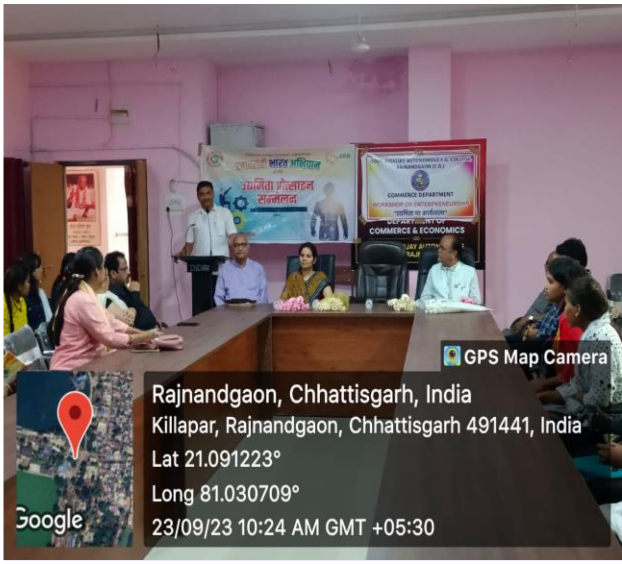

## दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर के.एल. टांडेकर की अध्यक्षता एवं मार्गदर्शन में वाणिज्य विभाग एवं सोशल साइंस एंड मैनेजमेंट वेलफेयर संगठन. जबलपुर के संयुक्त प्रयास से दिनांक 26 सितंबर एवं 27 सितंबर 2023 को "भारत में पर्यटन उद्योग का विकास" विषय पर विचार राष्ट्रीय कांफ्रेंस का आयोजन वाणिज्य विभाग द्वारा किया गया कॉन्फ्रेंस के प्रथम दिवस पर मुख्य| अतिथि के रूप में श्री कृष्ण यूनिवर्सिटी छतरपुर मध्य प्रदेश के कुलपति डॉक्टर अनिल धगत आमंत्रित थे | कार्यक्रम का परिचय आई. क्यू.ए. सी.समन्वयक डॉक्टर(श्रीमती )अनीता शाह द्वारा किया गया कार्यक्रम की शुरुआत में वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ एस.के.उके के द्वारा स्वागत उद्बोधन व संस्था की प्राचार्य डॉक्टर के.एल. टांडेकर की आशीर्वचन के माध्यम से हुई| कुलपति डॉक्टर अनिल धगत के उद्बोधन के पश्चात मुख्य अतिथि एवं विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉक्टर सुदेश कुमार साहू एच.आर.डी.सी. यू.जी.सी रांची यूनिवर्सिटी के निर्देशक, तरुण सेन सहायक प्राध्यापक माखनलाल यूनिवर्सिटी भोपाल (M. P)डॉ पी.एस.कतुलकर शासकीय जटाशंकर पी.जी महाविद्यालय छिंदवाड़ा (मध्य प्रदेश) के विभागगाध्यक्ष, डॉ अनिल जैन शासकीय पी.जी महाविद्यालय छिंदवाड़ा( M. P) के विभाग अध्यक्ष उपस्थित

थे|कार्यशाला की द्वितीय दिन के अवसर पर स्वागत उद्बोधन एवं कार्यक्रम का संचालन, कॉन्फ्रेंस की ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री प्रोफेसर रागिनी पराते के द्वारा किया गया साथ ही प्रोफेसर रागिनी के द्वारा अपना वक्तव्य दिया गया तत्पश्चात विषय विशेषज्ञ डॉक्टर सीमा दुबे विभागाध्यक्ष भारतीय महाविद्यालय उज्जैन (मध्य प्रदेश), डॉक्टर अंकथी रघु सहायक प्राध्यापक, पर्यटन एवं हॉस्पिटिलिटी मैनेजमेंट सेंटर यूनिवर्सिटी ऑफ़ तमिलनाडु, एस.एस.एम.डब्लू.ए के सदस्य, डॉ डी. विश्वकर्मा सोशल साइंस एंड मैनेजमेंट वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं अंतर्राष्ट्रीय युवा आर्थिक संगठन के सदस्य, डॉ संदीप रमेश हटवार सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष इतिहास,आर्ट्स एवं साइंस कॉलेज पुलगांव,जिला वर्धा (महाराष्ट्र),डॉ मोनिका शर्मा सहायक प्राध्यापक मैनेजमेंट डिपार्टमेंट महर्षि सेंटर फॉर एजुकेशनल एक्सीलेंस भोपाल (मध्य प्रदेश) द्वारा अपना व्यवकातव्य दिया गया | कार्यशाला के दूसरे दिन आभार प्रदर्शन प्रोफेसर स्वयंसिद्धा झा द्वारा किया गया,तत्पश्चात तकनीकी सत्र में शोधार्थियों ने अपनी शोध पत्र को प्रस्तुत किया, जिसका संचालन डॉक्टर श्रीमती प्रज्ञा मिश्रा द्वारा किया गया| कार्यक्रम का समापन विभाग की प्रोफेसर रागिनी पराते द्वारा किया गया| उपयुक्त दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में वाणिज्य विभाग सके प्रोफेसर स्वयंसिद्धा झा,तरुण वर्मा,डॉ प्रज्ञा मिश्रा, कुमारी महिमा जोबनपुत्रा, पूजा कुमारी एवं प्रतिभा सिंह की सहभागिता महत्वपूर्ण थी|

# दिग्विजय महाविद्यालय में विश्व खाद्य दिवस पर भाषण व स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा दिनांक 16 अक्टूबर 2023 को विश्व खाद्य दिवस के उपलक्ष में भाषण व स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में संस्था के प्रमुख श्री के. एल.टांडेकर व जन भागीदारी समिति के संचालक श्री जय नारायण एवं दिग्विजय महाविद्यालय गृह विज्ञान विभाग की प्राध्यापिका आकांक्षा रामटेके की उपस्थिति उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन विभाग की प्राध्यापिका सुश्री रागिनी पराते के द्वारा किया गया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि का स्वागत श्री एस.सी.जैन द्वारा किया गया । कार्यक्रम का आरंभ वाणिज्य विभाग के प्राध्यापक श्री एच.सी.जैन द्वारा किया गया जिन्होंने संक्षिप्त में खाद्य दिवस की जानकारी दी। तत्पश्चात छात्र-छात्राओं को आशीर्वचन देने हेतु संस्था के प्राचार्य श्री टांडेकर को आमंत्रित किया गया जिन्होंने खाद्य दिवस के महत्व ,विश्व में खाद्यान्न की आवश्यकता के विषय में संक्षेप में जानकारी दी। तत्पश्चात भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें निर्णायक के रूप में आकांक्षा रामटेके,श्रीमती सुमन कोचर एवं श्रीमती स्वयंसिद्धा झा उपस्थित थे। भाषण व स्लोगन प्रतियोगिता में विजेता छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉक्टर प्रज्ञा मिश्रा, तरुणा वर्मा, महिमा जोबनपुत्रा,पूजा कुमारी व

प्रतिभा सिंह की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

## वाणिज्य विभाग द्वारा केरियर गाइडेंस पर व्याख्यान आयोजन

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय महाविद्यालय राजनांदगांव के वाणिज्य विभाग के द्वारा कैरियर गाइडेंस विषय पर दिनांक 20 अक्टूबर 2023 को व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एस. के. उके द्वारा की गई तथा मुख्य अतिथि के रुप में संस्था के प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर व शासकीय कमला देवी राठी महिला महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के प डॉक्टर ओ.पी.गुप्ता

आमंत्रित थे। कार्यक्रम का संचालन वाणिज्य विभाग की प्राध्यापिका श्रीमती सुमन कोचर किया गया। श्री गुप्ता व प्राचार्य महोदय का स्वागत वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ एस.के. उके द्वारा किया गया। तत्पश्चात श्री उके का स्वागत आयुष साहू द्वारा किया गया। स्वागत उद्बोधन के पश्चात प्राचार्य महोदय को आशीर्वचन देने हेतु आमंत्रित किया गया प्राचार्य मोहदय ने छात्र-छात्राओं को बी.कॉम, एम. कॉम के पश्चात रोजगार के अवसरों को अभी से तलाशने व उस संबंध में कार्य करने के लिए प्रेरित किया ताकि वे पढ़ाई के पश्चात कार्य करने की ओर अग्रसर हो सके। तत्पश्चात श्री गुप्ता को व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया गया।श्री गुप्ता ने अपने व्याख्यान में छात्रों को बताया कि कैरियर युवाओं हेतु कितना आवश्यक हैं।एम. कॉम के पश्चात उनके पास कैरियर के कौन से विकल्प उपलब्ध होंगे ,साथ ही कैरियर को कैसे तलाश किया जाए। कैसे लक्ष्य निर्धारित किया जाए।इस हेतु विशेषज्ञों से सलाह ली जाये,साथियों समय समूह चर्चा की जाए। कैरियर का चुनाव करते समय सही रास्ते का चयन कैसे किया जाए व एम. कॉम के पश्चात उपलब्ध सी. ए., सी. एस., सी. एम. ए. इंवेस्टमेंट बैंकिंग , डेटा एनालिटिक, फाइनेंस मैनेजर, प्राध्यापक जैसे विभिन्न कैरियर विकल्पों की जानकारी दी। कार्यक्रम की अंतिम कड़ी में धन्यवाद ज्ञापन श्री एच. सी. जैन द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुश्री रागिनी पराते,श्रीमती स्वयंसिद्धा झा, तरुणा वर्मा डॉ. प्रज्ञा मिश्रा, महिमा जोबनपुत्रा, पूजा कुमारी, प्रतिभा सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

## वाणिज्य विभाग द्वारा अग्रणी दिग्विजय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020(NEP) पर आधारित विस्तार गतिविधि का आयोजन

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोकत्तर महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा प्राचार्य डॉक्टर श्री के.एल.टांडेकर एवं आई. क्यु. ए. सी. के प्रयास व वाणिज्य विभाग के तत्वाधान में विस्तार गतिविधि कार्यक्रम का आयोजन किया ।उच्चतर माध्यमिक शाला,कन्हारपुरी में दिनांक 6/12/2023 को आयोजित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से कन्हारपुरी विद्यालय के 11वीं एवं 12वीं के छात्र-छात्राओं को **"अग्रणी दिग्विजय -राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020"** अंतर्गत छात्र-छात्राओं को नई शिक्षा नीति के विजन उद्देश्य महत्व व महाविद्यालय में संचालित होने वाले सारे पाठ्यक्रमों की जानकारी दी गई साथी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संबंध में पी. पी.टी.के माध्यम से छात्रों को जेनेरिक कोर्स, वैल्यू एडेड कोर्स, स्किल एनहैंसमेंट कोर्स,के बारे में जानकारी दी

गई।कार्यक्रम में विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य सुरेंद्र ढारगावे, वरिष्ठ व्याख्याता वीरेंद्र दुबे, स्वाति दुबे एवं अन्य स्टाफ व साथ ही दिग्विजय महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉक्टर एस.के. उके,सहायक प्राध्यापक एच. सी. जैन, श्रीमती सुमन कोचर, कुमारी रागिनी पराते एवं वाणिज्य विभाग के अन्य सभी प्राध्यापक साथ ही ऍम. कॉम प्रथम व तृतीय सेमेस्टर के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे | शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के संबंध में व राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संबंध में जानकारी प्रोफेसर रागिनी पराते ने दी, तत्पश्चात इंडक्शन प्रोग्राम की जानकारी महिमा जोबनपुत्रा द्वारा दी गई, अंत में कैरियर गाइडेंस के माध्यम से छात्रों को 12वीं के पश्चात करियर ऑप्शन व उच्च शिक्षा हेतु जानकारी तरुणा वर्मा द्वारा दी गई। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य को स्मृति चिन्ह वह प्रमाण पत्र प्रदान किया गया एवं छात्र-छात्राओं से प्रतिपुष्टि फॉर्म देकर कार्यक्रम के संबंध में प्रतिपुष्टि ली गई। उक्त कार्यक्रम विभाग के समस्त प्राध्यापको एवं एम.कॉम.प्रथम एवं अंतिम के छात्र-छात्राओं के सहयोग से किया गया|

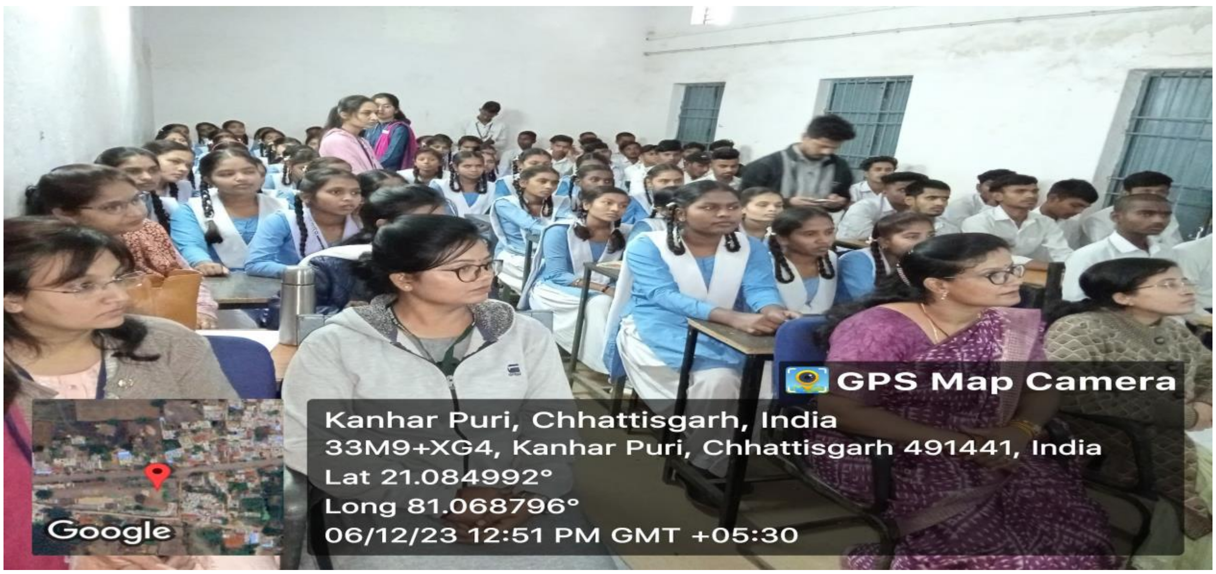


# वाणिज्य विभाग द्वारा डिजिटल मार्केटिंग विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोकत्तर महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा प्राचार्य डॉक्टर श्री के.एल.टांडेकर के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में डिजिटल मार्केटिंग पर 08-12-2023एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता विषय विशेषज्ञ श्री जयेश बड़ानी के.के. मोदी यूनिवर्सिटी, (दुर्ग) से आमंत्रित थे। कार्यशाला के प्रारंभ में मुख्य वक्ता, प्राचार्य,व विभागाध्यक्ष,का स्वागत कर किया गया। तत्पश्चात स्वागत उद्बोधन वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉक्टर एस. के. उके द्वारा दिया गया।अगली कड़ी में प्राचार्य महोदय को आशीर्वचन हेतु आमंत्रित किया गया| कार्यक्रम का संचालन वाणिज्य विभाग की प्रोफेसर रागिनी पराते के द्वारा करतेहुए श्री जयेश बड़ानी को व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया गया जिन्होंने डिजिटल मार्केटिंग व पारंपरिक मार्केटिंग का अर्थ, इनके लाभ, डिजिटल व पारंपरिक मार्केटिंग के बीच अंतर के साथ ही डिजिटल मार्केटिंग के विभिन्न तत्वों पर विस्तार से केस स्टडी के माध्यम से चर्चा की गई।अंतिम कड़ी में धन्यवाद ज्ञापन प्रो. एच. सी.जैन द्वारा किया गया

साथ ही उक्त व्याख्यान के अंत में छात्र-छात्राओं से फीडबैक फॉर्म भरवा कर उनसे व्याख्यान के विषय में उपयोगी जानकारी प्राप्त की गई| यह कार्यक्रम  विभाग के समस्त प्राध्यापको एवं छात्र-छात्राओं के सहयोग से संपन्न हुआ |

# ज्ञान प्राप्ति के बाद व्यक्ति के व्यक्तित्व में सरलता एवं सहजता आ जाती है : H.S. अलरेजा

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव के वाणिज्य विभाग द्वारा महाविद्यालय के प्राचार्य आदरणीय डॉ. के. एल. टांडेकर के निर्देशन एवम वाणिज्य विभाग के प्रभारी विभागाध्यक्ष प्रो. एच. सी. जैन के मार्गदर्शन में दिनांक 13- 12- 2023 को विषय " भारतीय संस्कृति एवं भारतीय स्वभाव " पर अंतर विभागीय व्याख्यान का आयोजन किया गया । जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के दर्शन शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष आदरणीय डॉ .एच. एस. अलरेजा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रो. एच. सी. जैन के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ प्रो एच सी जैन द्वारा स्वागत उद्बोधन एवं विषय की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए किया गया। मुख्य वक्ता का स्वागत प्रो. एच. सी. जैन, प्रो. सुमन कोचर एवं छात्रा नेहा झा द्वारा पुष्प गुच्छ प्रदान करके किया गया। तत्पश्चात् मुख्य वक्ता को अपने वक्तव्य के लिए आमंत्रित किया गया। उन्होंने अपने वक्तव्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति और सभ्यता विश्व की सर्वाधिक प्राचीन एवं समृद्ध संस्कृति व सभ्यता है। इसे विश्व की सभी संस्कृतियों की जननी माना जाता है। जीने की कला हो, विज्ञान हो या राजनीति क्षेत्र भारतीय संस्कृति का सदैव विशेष स्थान रहा है। अन्य देशों की संस्कृतियां तो समय की धारा के साथ साथ नष्ट होती रही हैं किंतु भारत की संस्कृति एवं सभ्यता आदिकाल से ही अपने परंपरागत अस्तित्व के साथ अजर-अमर बनी हुई हैं। भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति, पुरातात्त्विक इतिहास की खोज, भारतीय स्वभाव आदि का वर्णन करते हुए विधार्थियों को भारत के प्राचीनतम इतिहास के साथ साथ सभ्यता, धर्म, ग्रंथ एवं वेद, उपनिषद इत्यादि की जानकारी से अवगत कराया।

संस्कृति किसी भी देश जाति और समुदाय की आत्मा होती है। संस्कृति से ही देश, जाति या समुदाय के उन समस्त संस्कारों का बोध होता है जिनके सहारे वह अपने आदर्शों, जीवन मूल्यों, आदि का निर्धारण करता है ।अत: संस्कृति का साधारण अर्थ होता है - संस्कार, सुधार, परिष्कार, शुद्धि, सजावट आदि। सभ्यता का संबंध हमारे बाहरी जीवन के ढंग से होता है अर्थात खान-पान, रहन- सहन , बोलचाल आदि जबकि संस्कृति का संबंध हमारी सोच, चिंतन विचारधारा से होता है। भारत की संस्कृति में धर्म की स्वतंत्रता समन्वय , सत्यार्थ, धैर्य, योग आत्मनिर्भरता, आत्मनियंत्रण का समावेश मिलता है। जिससे प्रत्येक परिस्थिति में व्यक्ति के निर्णय लेने की कला का विकास होता है। भारत में एक सकारात्मक समृद्धता का सूत्र मिलता है जिससे व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास होता है। उपरोक्त व्याख्यान के अंत में प्रो. सुमन कोचर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। आयोजित कार्यक्रम में वाणिज्य विभाग के प्राध्यापक प्रो. रागिनी पराते, प्रो. स्वयंसिद्धा झा, प्रो. डॉ. प्रज्ञा मिश्रा, प्रो. तरुणा वर्मा, प्रो.महिमा, प्रो. प्रतिभा सिंह एवं प्रो.पूजा कुमारी एवं एम.काम प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर तथा बी.कॉम अंतिम के छात्र छात्राएं उपस्थित हुए।

## वाणिज्य विभाग में अंतरविभागीय व्याख्यान का आयोजन

राजनांदगांव. दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर के निर्देशन एवं वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एच.एस.भाटिया के मार्गदर्शन में 23 नवंबर को स्नातकोत्तर विद्यार्थियों हेतु जीवन एवं व्यक्तित्व विषय पर अंतरविभागीय व्याख्यान आयोजित किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ.एच. एस. अलरेजा, विभागाध्यक्ष, दर्शनशास्त्र उपस्थित रहे. डॉ. एच. एस. भाटिया द्वारा डॉ. अलरेजा का स्वागत करते हुए उनका विद्यार्थियों से परिचय कराया गया. व्याख्यान की शुरुआत करते हुए डॉ. अलरेजा ने संपूर्ण व्यक्तित्व की जीवन कुंडली को समझाते हुए कहा कि मनुष्य आज आदिम से आधुनिक मानव की श्रेणी में आ गया है, व्यक्ति के आचरण के अनुरूप उनका भाग्य भी कार्य करता है.

# वाणिज्य विभाग के छात्रों को MOOC व SWYAM ई लर्निंग प्लेटफार्म की जानकारी

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय प्राचार्य डॉक्टर के. एल. टांडेकर के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में 15-01-2024 वाणिज्य संख्या के विद्यार्थियों को प्रोफेसर डॉ संजय ठीसके द्वारा **MOOC** एवं **SWYAM** e-Learning platform के बारे में जानकारी दी गई। प्रो. ठीसके द्वारा इन platform कार्य ,उद्देश्य ,महत्त्व, विज़न व चलाएं जाने वाले पाठ्यक्रम की जानकारी दी गयी| दोनों ही प्लेटफॉर्म मानव संसाधन मंत्रालय द्वारा संचालित की जाते हैं|जिसमें भारत श्रेष्ठ शिक्षा संस्थानों के साथ मिलकर इन्हें संचालित किया जाता हैं| व इसमें एक हजार से ज्यादा कोर्स शामिल हैं| छात्रों को सभी कोर्स व इनकी परीक्षा प्रणाली व सर्टिफिकेट प्राप्त करने से संबंधित समस्त जानकारी दी गई साथ ही छात्रों को इस हेतु पंजीयन करवानी से संबंधित जानकारी भी प्रदान की गई|

GPS Map Camera
Rajnandgaon, Chhattisgarh, India
32RJ+H58, Rajnandgaon, Chhattisgarh 491441, India
Lat 21.091412°
Long 81.030558°
15/01/24 12:56 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Rajnandgaon, Chhattisgarh, India
1, Digvijay College Rd, Rajnandgaon, Chhattisgarh 491441, India
Lat 21.091682°
Long 81.031471°
15/01/24 12:05 PM GMT +05:30
Google

# पालक-शिक्षक बैठक का आयोजन

शासकीय दिग्विजय स्वशासी पीजी महाविद्यालय राजनांदगांव में वाणिज्य विभाग के द्वारा पालक शिक्षक बैठक का आयोजन दिनांक 3 फरवरी 2024 को किया गया| बैठक में विद्यार्थियों की पढ़ाई विकास एवं उनसे संबंधित समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गयी | बैठक में स्वागत उद्बोधन वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉक्टर एस. के. ऊके के द्वारा किया गया | उपरोक्त बैठक में महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ अंजना ठाकुर द्वारा स्वागत उद्बोधन किया गया एवं महाविद्यालय में प्रदाय की जाने वाली सुविधाओं एवं नई शिक्षा नीति 2020 से पालको को अवगत कराया गया| बैठक के अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर एच. सी.जैन द्वारा दिया गया| बैठक में वाणिज्य विभाग की सभी प्राध्यापक, अतिथि व्याख्याता एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित थे |

---

# वाणिज्य विभाग के विद्यार्थियों द्वारा शैक्षणिक व औद्योगिक भ्रमण

वाणिज्य विभाग द्वारा स्नातककोत्तर के विद्यार्थियों हेतु शैक्षणिक एवं औद्योगिक भ्रमण का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर के. एल.टांडेकर के निर्देशन एवं विभागाध्यक्ष डॉक्टर एस.के. ऊके के मार्गदर्शन में दिनांक 17 फरवरी 2024 को दंतेश्वरी मैया सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित ग्राम करकाभाट जिला बालोद का भ्रमण कराया गया | सहकारी शक्कर कारखाने के प्रबंधक संचालक राजेंद्र प्रसाद राठिया ने कारखाने की विस्तृत जानकारी बताते हुए शक्कर बनाने की पूरी प्रक्रिया का वर्णन किया| इसके साथ ही विद्यार्थियों को सियादेही एवं गंगा मैया मंदिर का दर्शन कराया गया | उपरोक्त भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत एम. ओ.यू एक्टिविटी के अंतर्गत घनश्याम सिंह गुप्ता महाविद्यालय का भी भ्रमण कराया गया| इस शैक्षणिक भ्रमण में वाणिज्य विभाग की सहायक प्राध्यापक प्रोफेसर एच. सी.जैन, श्रीमती स्वयं सिद्ध झा एवं महिमा जोबनपुत्र ने छात्र-छात्राओं का नेतृत्व किया | वाणिज्य विभाग के पी. जी.के छात्र-छात्राओं द्वारा मेने उक्त औद्योगिक एवं शैक्षणिक भ्रमण से ज्ञानवर्धक जानकारी प्राप्त की गयी |

दंतेश्वरी मैया सहकारी शक्कर कारखाना मर्या.बालोद

# दो दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस 'विकसित भारत @ 2047: चुनौतियां एवं अवसर'

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा विकसित भारत 2047: चुनौतियां एवं संभावनाएं विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें शोधकर्ताओं ने 2047 में विकसित भारत की चुनौतियों एवं संभावनाओं पर अपनी परिकल्पनाएं प्रस्तुत कीं। अतिथियों ने

मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। शोध संगोष्ठी के मुख्य अतिथि कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर (मप्र) के कुलपति डॉ. अनिल धगट थे, अध्यक्षता दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर ने की तथा विशिष्ट अतिथि राजनांदगांव के जिलाधिकारी संजय अग्रवाल, भारती विश्वविद्यालय दुर्ग के डॉ. कुबेर सिंह थे। गुरु पंच एवं वाणिज्य महाविद्यालय गुवाहाटी (असम) के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. गौर गोपाल बनिक, विषय विशेषज्ञ निदेशक अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, रायपुर की प्रोफेसर गिन्नी जैन उपस्थित थीं। कार्यक्रम पर प्रकाश डालते हुए वाणिज्य विभागाध्यक्ष एवं शोध संगोष्ठी के संयोजक डॉ. एस.के. उके ने बताया कि भारत सरकार द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में महाविद्यालय में राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी से आजादी के 100 वर्ष पूर्ण होने तक विकसित भारत के भावी स्वरूप पर शोधार्थियों के विचारों को शोध पत्र 'विकसित भारत 2047' में शामिल किया जाना है। संरक्षक एवं प्राचार्य डॉ. ताड़ीकर ने कहा कि भारत विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जैव विविधता, पर्यावरण, जलवायु प्रौद्योगिकी आदि विकास के प्रत्येक क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने की आवश्यकता है।

इसकी नितांत आवश्यकता है। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. धगत ने संगोष्ठी के सार का विमोचन किया तथा अपने भाषण में 2047 में विकसित भारत के निर्माण में आने वाली चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की।

समझाया। विकसित देशों एवं भारत की प्रति व्यक्ति आय में अंतर को समझाते हुए उन्होंने कहा कि देश के युवाओं में कौशल होना आवश्यक है, ताकि इसे सामाजिक प्रगति में बदला जा सके। प्रो. धगत ने कहा कि हमारी शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने स्वरोजगार के प्रति लोगों की सामाजिक सोच में बदलाव लाने की वकालत की, ताकि स्वरोजगार को सरकारी नौकरी से कम न समझा जाए।

जिलाधिकारी संजय अग्रवाल ने कहा कि भारतीय संविधान की प्रस्तावना ही विकसित भारत का पैमाना होनी चाहिए। स्वास्थ्य और शिक्षा विकास के दो प्रारंभिक चरण हैं, जिनमें सुधार करके हम एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं। भारतीय विश्वविद्यालय, दुर्ग के डॉ. गुरुपंच ने कहा कि मनुष्य ही ज्ञान का सबसे बड़ा संसाधन है और

विचारों के आदान-प्रदान से इस लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। और संसाधनों का विकास करके तथा चुनौतियों को दूर करके हम विकास के क्षेत्र में अग्रणी बन सकते हैं। छत्तीसगढ़ की संस्कृति की प्रशंसा करते हुए एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. बनिक ने कहा कि जिस तरह स्वामी विवेकानंद ने युवा शक्ति को बढ़ावा दिया, आज विकसित भारत के लिए उसी ऊर्जा और उत्साह की जरूरत है। गांवों और शहरों के सर्वांगीण विकास के जरिए 2047 तक विकसित भारत की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है। सम्मान के साथ काम करके और भ्रष्टाचार को खत्म करके इस लक्ष्य को आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। विषय विशेषज्ञ प्रोफेसर गिन्नी जैन ने कहा कि विकसित भारत की युवा शक्ति को आगे लाने का विचार जागरूकता की कमी के कारण हम भारत के अवसरों को खो रहे हैं शोधकर्ता और विद्यार्थी बड़ी संख्या में जुड़े हैं भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में महिला शक्ति का अमूल्य योगदान होगा। संगोष्ठी के प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. डी.पी. कुरेन ने की, द्वितीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता भौतिक विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. प्रीति बाला टांक ने की, तृतीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. अंजना ठाकुर ने की। तकनीकी सत्र में विभिन्न शोधकर्ताओं ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। इस शोध संगोष्ठी में मंचासीन

अतिथियों का स्वागत शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. एच.सी. जैन, सुमन कोचर, रागिनी पराते और डॉ. प्रज्ञा मिश्रा ने किया। धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती सुमन कोचर, स्वयं सिद्ध झा, प्रज्ञा मिश्रा एवं प्रतिभा सिंह ने किया। कॉलेज के रजिस्ट्रार दीपक परगनिया, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. अनीता माहेश्वर, डॉ. महेश श्रीवास्तव, सोनल मिश्रा सहित कॉलेज के सभी प्राध्यापकगण उपस्थित थे।

## टाटा कंसल्टेंसी सर्विस द्वारा रोजगार मार्गदर्शन व परामर्श हेतु व्याख्यान

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नाकोत्तर महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग में टाटा कंसल्टेंसी के द्वारा कैंपस सिलेक्शन हेतु श्री राहुल द्वारा विद्यार्थियों को उनकी रुचि एवं कार्य क्षमता को ध्यान में रखते हुए विशेष व्याख्यान दिया गया यह व्याख्यान मूलतः TCS कंपनी में विद्यार्थियों के चयन हेतु उनकी बुद्धिक्षमता एवं उनकी रुचि का अवलोकन करने हेतु TCS कंपनी के HR विभाग द्वारा यह व्याख्यान कराया गया इस प्रकार विद्यार्थियों को रोजगार प्रदान करने हेतु यह विशेष व्याख्यान का आयोजन वाणिज्य विभाग में किया गया|जिसमें M.Com एवं B.Com के छात्र–छात्राएं उपस्थित थे|

वाणिज्य विभाग
संस्थान एवं शोध केन्द्र
स्वागत करता है
GPS Map Camera
Rajnandgaon, Chhattisgarh, India
Lakeside by ABIS, Budha Sagar Lake View Road,, Rajnandgaon, Chhattisgarh 491441, India
Lat 21.094655°
Long 81.027908°
19/03/24 10:04 AM GMT +05:30
Google